

ARIUT (UI

भाग 11—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार में अक्षामित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 12] नई बिल्ली, मंगलबार, जनवरी 7, 1992/पीव 17, 1913

No. 12) NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 7, 1992/PAUSA 17, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

पर्यावरण भीर बन मंत्रालय

गुद्धिपत्न

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1992

का.था. 17(ग्र) — पर्यावरण और वन मंत्रालय की ग्रधिसूचना का.था. सं. 654 (इ.), तारीख 27 सितम्बर, 1991 में,—

"घारा 33क, 44 (ii) (ग), 55(ग),

ग्रध्याय--- 3क श्रीर ग्रध्याय- 5क को छोड़कर" के स्थान पर,

निम्नलिखित पढ़े,---

"**धारा** 13, 22, 26 ग्रीर 30 (ii) ग्रीर बारा 39 जहां तक **इ**सके उपबंधी था बन्य जीव (संरक्षण) प्रधिनियम, 1972 (1972 का 53) मे प्रतिस्थापित नर्द धारा 55 के खड़ (ग) स सबध है, की छोड़कर'।

|**मि**मिल स 1-2/91-वन्यजीव-1]

अञ्ण क्षेत्रपाल,

सयक्त सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

CORRIGENDUM

New Delhi, the 1st January, 1992

S.O. 17(E)—In the notification of the Ministry of Environment & Forests, S.O. No. 654(E), dated the 27th September, 1991—

for "excepts Section 33A, 44(ii)(o), 55(c), chapter IIIA and Chapter VA".

read "except sections 13, 22, 26 and 30(ii) and section 33 in so far as its provisions relate to clause (c) of new section 55 substituted in the Wild Life (Protection) Act, 1972 (53 of 1972)".

> [F No. 1-2|91 WL-1] ARUN KSHETRAPAL, Jt. Secy.